LITTERA PUBLIC SCHOOL

CLASS 4 CHAPTER 6 HINDI

# तेजस्वी अन्न देवता

रामफल नामक किसान के द्वार पर एक साधु आकर बोला बच्चा तुम्हारा कल्याण हो कुछ मुझे भोजन करवाओ रामफल के घर में कुछ नहीं था वह अंदर गया अपनी पत्नी से पूछा उसकी पत्नी उसे डांट कर कहीं घर में कुछ खाने के लिए नहीं है। ऐसा क्या है तुम्हारा सारा फसल कहां गया तो रामफल की आंखों से आंसू निकल आए बोला कि मेरे फसल का आधा आना जमींदार और महाजन के करिंदे उठाकर ले जाते हैं। सभी साधु महाजन और जमींदार के घर गया वहां उसकी बहुत इज्जत हुई तब साधु ने कहा कि आप गरीबों को मार कर अनाज लाते हैं इससे बड़ा अपराध क्या होगा। साधु ने उन लोगों से रामफल के अनाज वापस लिए और रामफल को लौटा दिया । रामफल खुशी-खुशी बाजार गया और बहुत सारा मंडी से सामान लेकर वापस वापस आया।